वो खच्चर

जिसने सोना खोजा

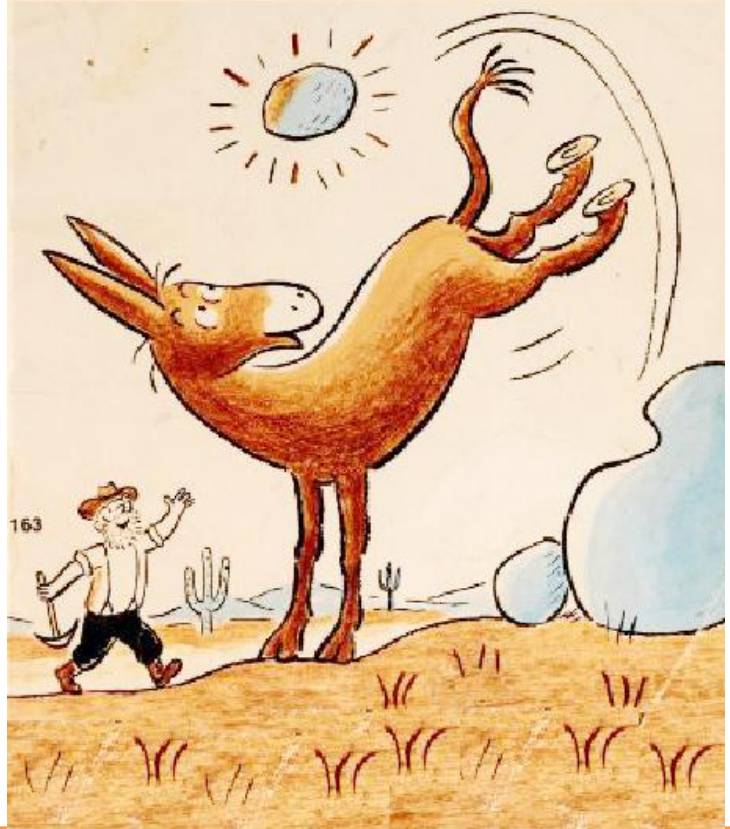

वो खच्चर
जिसने सोना खोजा

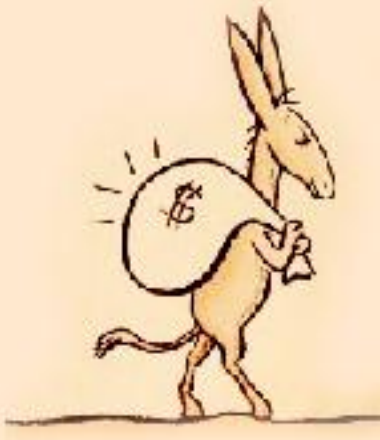

कुछ समय पहले पश्चिम के महान रेगिस्तान में, ओ'हारा नाम का एक बूढ़ा खनिक रहता था. हर दिन वो और उसका खच्चर जलती हुई रेत में सोने की तलाश करते थे.

ओ'हारा ने खुद से कहा, "जब तक सोना नहीं मिलता मैं तब तक मैं उसे खोजता रहूंगा."

"मैं भी वही करूंगा," खच्चर ने कहा. खच्चर अपने बड़े कानों के कारण लगभग सबकुछ सुन सकता था. उसने खनिकों के साथ लंबा समय गुज़ारा था इसलिए वो बातचीत करना सीख गया था.

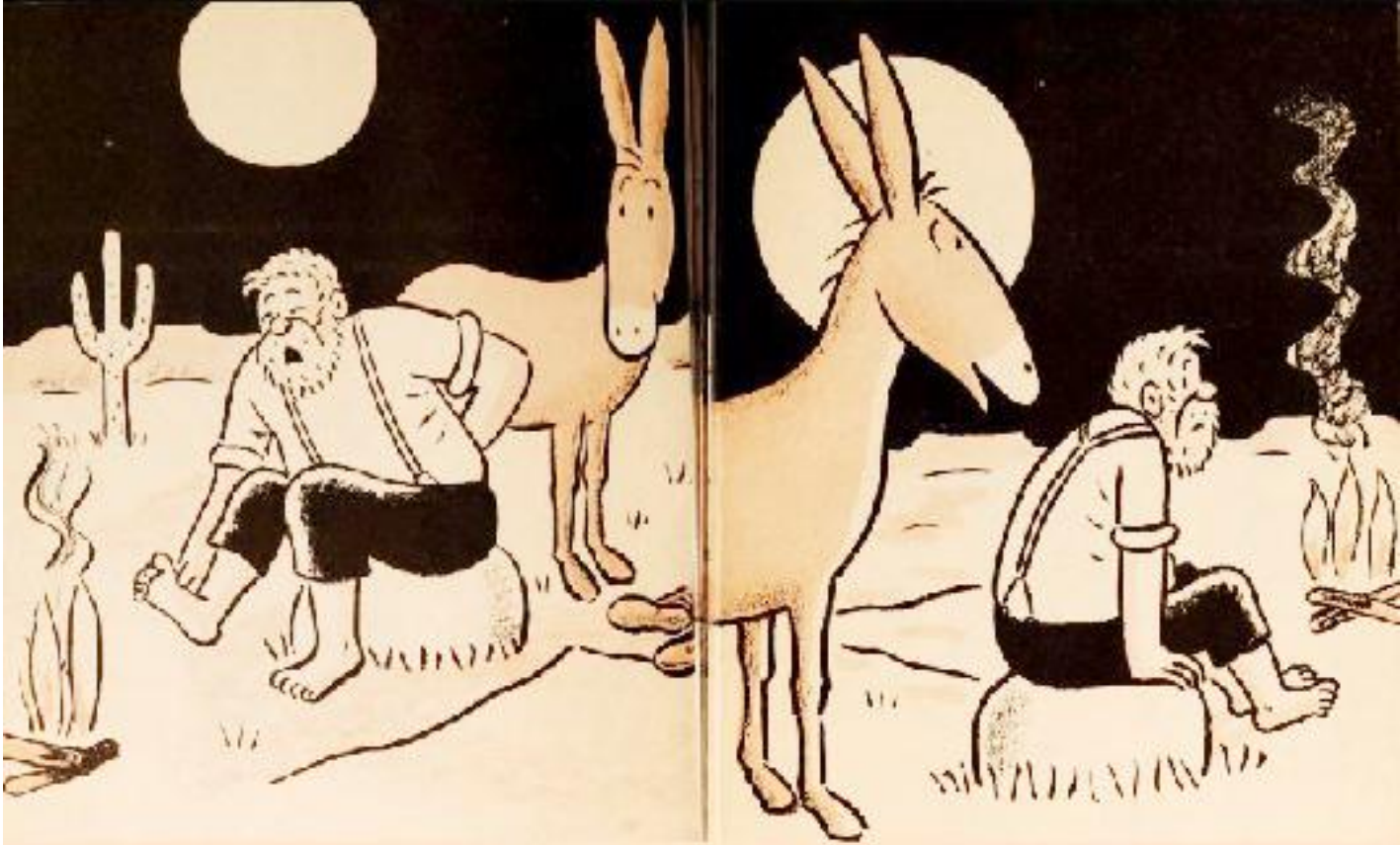

लेकिन धीरे-धीरे करके ओ'हारा हिम्मत हारने लगा. कैम्प फायर जलाने के बाद एक रात ओ'हारा ने कहा, "मेरे पैर में चोट लगी है, मेरी पीठ में भी बहुत दर्द है. कल मैं सोने की खोज छोड़ रहा हूँ."

खच्चर ने कहा, "मेरे पैरों में भी चोट लगी है और मेरी पीठ में भी दर्द हो रहा है," लेकिन मुझे लगता है कि मैं बहुत जिद्दी हूं, इसलिए मैं अपनी खोज नहीं छोड़ूंगा."

अगले दिन सुबह खच्चर अकेला निकल पड़ा.

बाकी खनिकों और खच्चरों ने जब उसे देखा और उन्होंने उसे रोकने की कोशिश की, "तुम्हारी मेहनत से कोई फायदा नहीं निकलेगा. इन पहाड़ियों में सोना है ही नहीं," उन्होंने कहा.

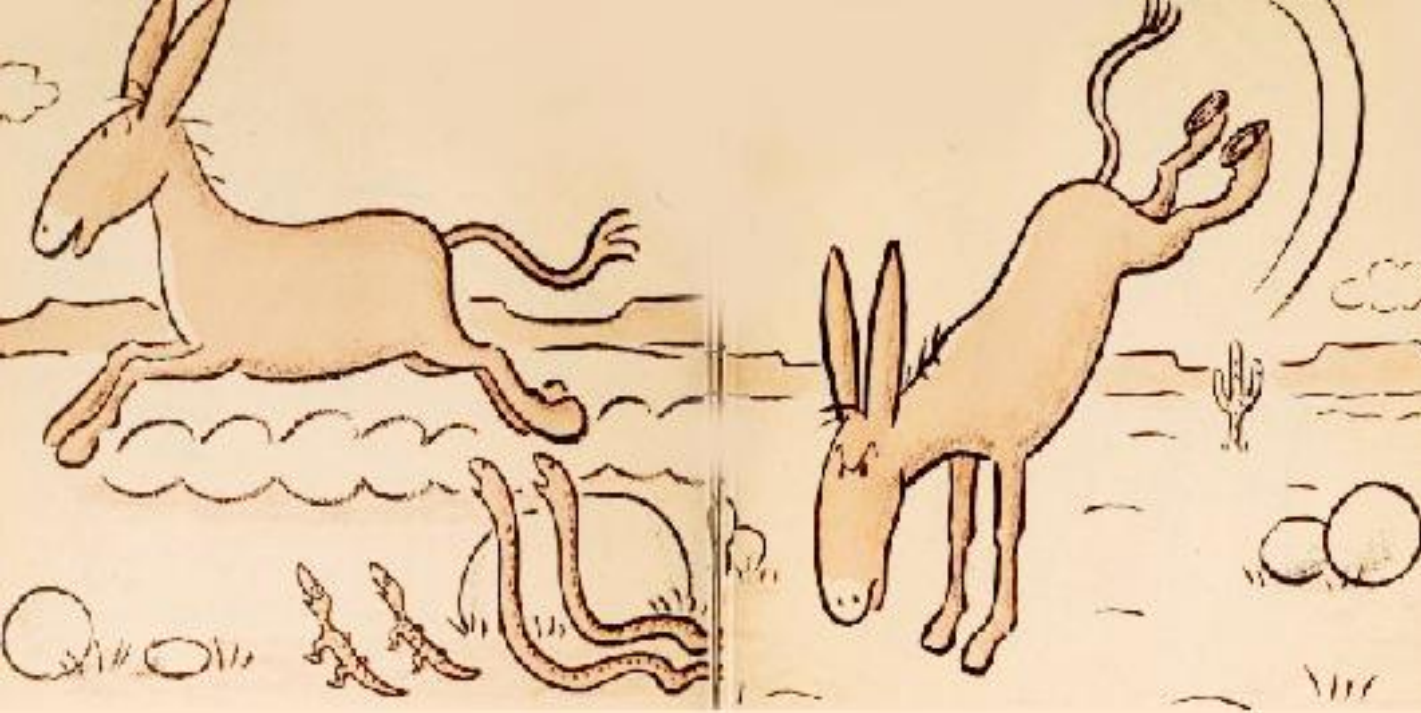

पर ओ'हारा का खच्चर चलता रहा.

यहां तक कि सांप और छिपकली ने भी उसे हतोत्साहित किया.

"अगर यहां सोना होता, तो हमने कभी तो उसे देखा होता," उन्होंने कहा.

खच्चर ने अपनी यात्रा और सोने की खोज ज़ारी राखी. क्या उसे सामने हरी घास और ताजे, ठंडे पानी का एक झरना नहीं दिख रहा था?

पर चलने पर उसे मीलों सिर्फ गर्म रेत और रेगिस्तान ही मिला.

"अरे बाप रे! वो तो केवल एक मृगतृष्णा थी," खच्चर ने कहा, और फिर गुस्से में उसने अपने पिछले पैरों को मारना शुरू कर दिया.

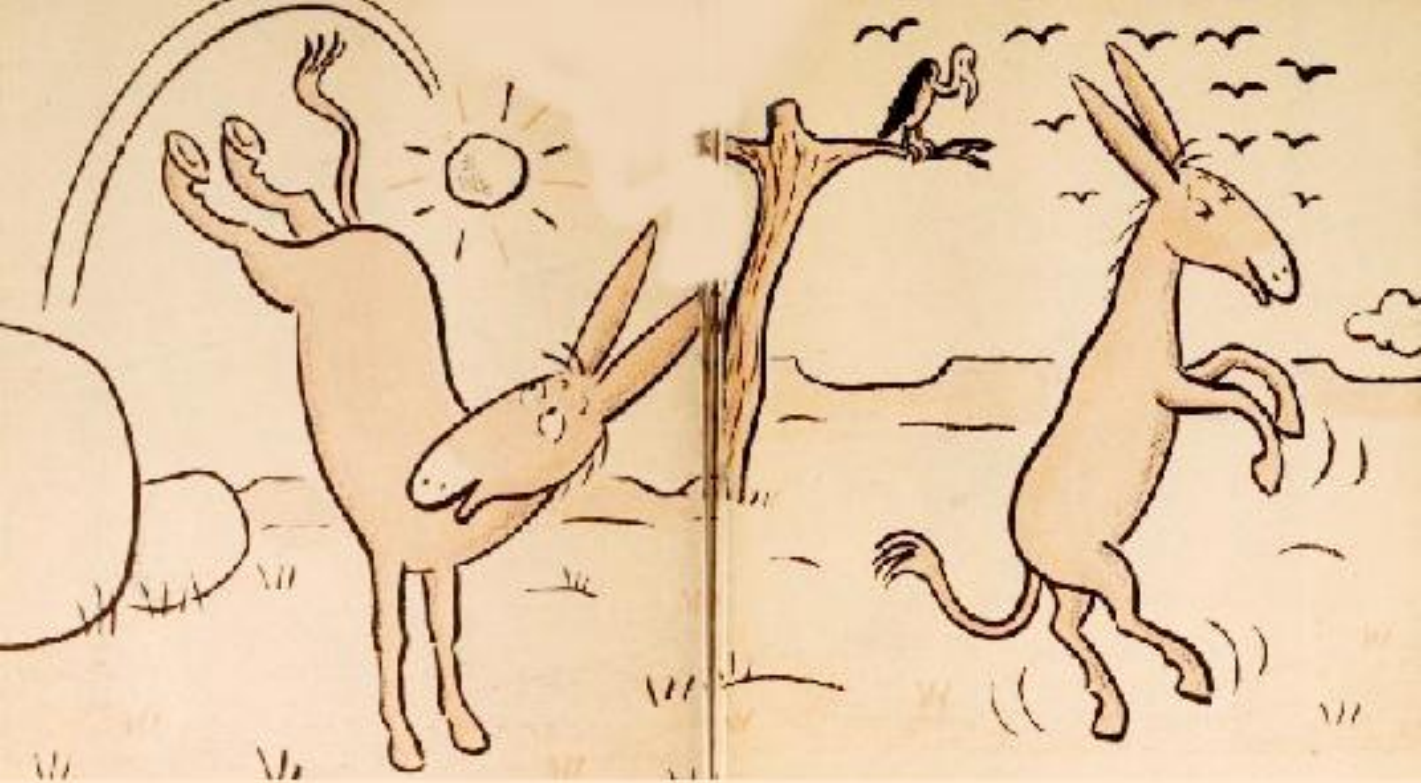

गलती से उसने एक बड़ी चट्टान को लात मारी जिससे उसका एक टुकड़ा टूट गया.
"सोना!" खच्चर चिल्लाया - जब उसने धूप में सोने के कणों को चमकते हुए देखा.

फिर उसने खुशी से नाचना शुरू कर दिया. यह देखकर आसमान में उपर चक्कर लगाने वाले गिद्धों को अपनी आँखों विश्वास नहीं हुआ. उन्होंने पहले कभी किसी भी खच्चर को नाचते हुए नहीं देखा था.
लेकिन वो खच्चर एक खनिक नहीं था. इसलिए ओ'हारा का खच्चर जल्दी ही अपने साथी को खोजने के लिए वापस गया .

उसने शहर में ओ'हारा को एक होटल के सामने देखा.

ओ'हारा एक-के-बाद एक करके कोल्ड ड्रिंक्स पीकर अपना पेट भर रहा था.

"दोस्त, अब हम अमीर बनेंगे!" खच्चर ने धीमी आवाज़ में कहा, क्योंकि वह जानता था कि इस खबर के लीक होने से पहले उन्हें उस सोने पर दावा करना था नहीं तो वहां पर सोना खोदने वाले लोगों की भीड़ लग जाएगी.

फिर वे रेगिस्तान में लौटे, उन्होंने अयस्क का एक सैंपल लिया, और फिर सरकारी दफ्तर में अपना नाम पंजीकृत करवाया.

पर यह खबर जल्दी ही चारों ओर फ़ैल गई. "गोल्ड! सोना! गोल्ड!" अन्य खनिक चिल्लाए. वे अपने-अपने खुद के कुदाल और फावड़े लेकर भागे जिससे वे भी सोने पर अपना दावा पेश कर सकें.

क्योंकि सभी के लिए वहां पर्याप्त सोना था इसलिए ओ'हारा और उनके खच्चर ने इसकी कोई परवाह नहीं की. "गुड लक," उन्होंने कहा.

उन्होंने अपना पैसा स्थानीय बैंक में डाल दिया और करोड़पति बन गए.

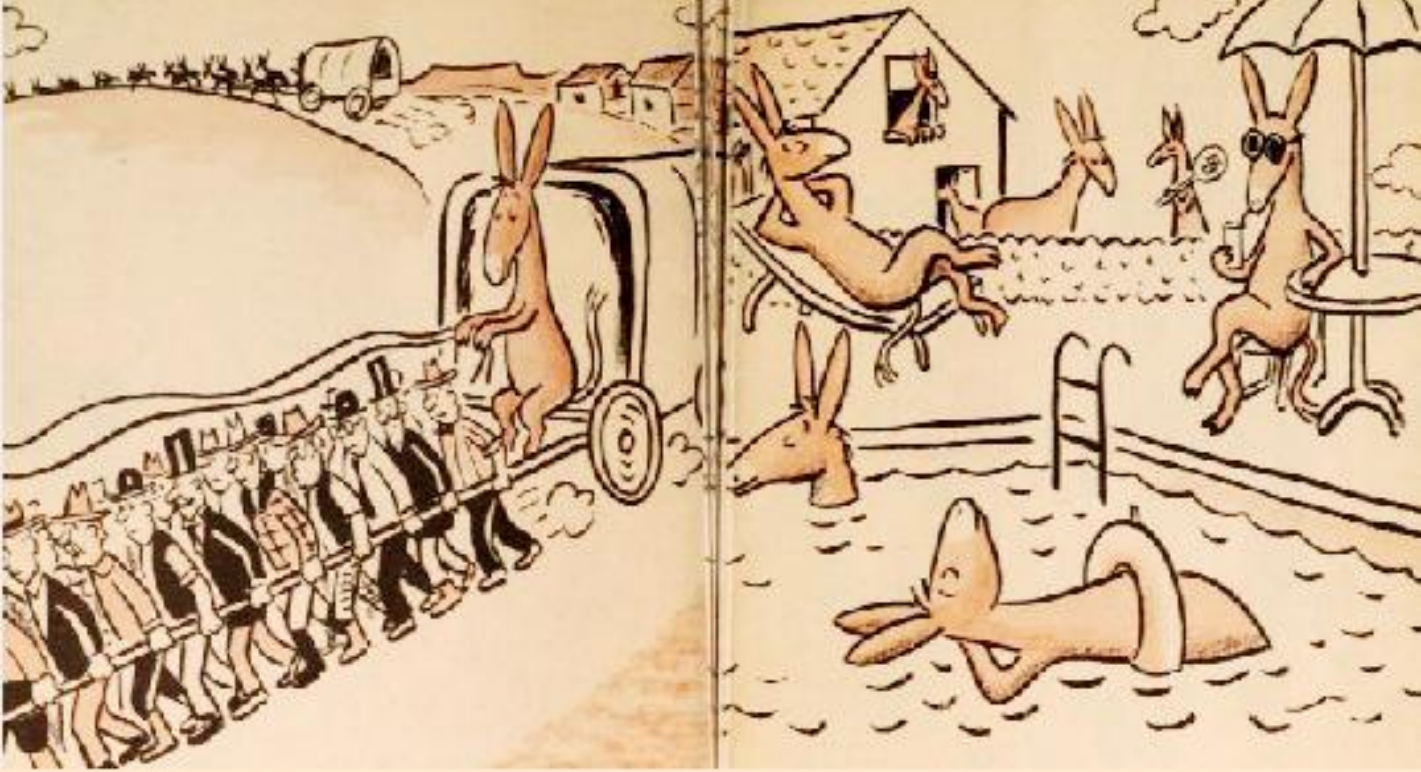

ओ'हारा ने खुद के लिए बीस-खच्चरों की टीम खरीदी जिससे वो दुनिया के अनजान हिस्सों का दौरा कर सके. उसके खच्चर ने शहर के चारों ओर घूमने के लिए बीस-आदमियों की एक टीम खरीदी.

फिर वह एक बड़े फार्म में बस गया, जिसमें बारह-बेडरूम थे और एक ओलंपिक साइज का स्विमिंग पूल था. वहां वो अन्य खच्चरों का मनोरंजन किया करता था. बाकी खच्चरों को अस्तबल और खलिहान के अलावा और कुछ पता नहीं था.

उसने सोसाइटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ क्रुएलिटी टू ह्यूमन बीइंग्स और अन्य चैरिटीज को दिल खोलकर दान दिया.

उसने इतना बेहतरीन काम किया कि महापौर ने उसके सम्मान में एक समारोह आयोजित किया और शहर का नाम बदल कर खच्चर-विला रखा.

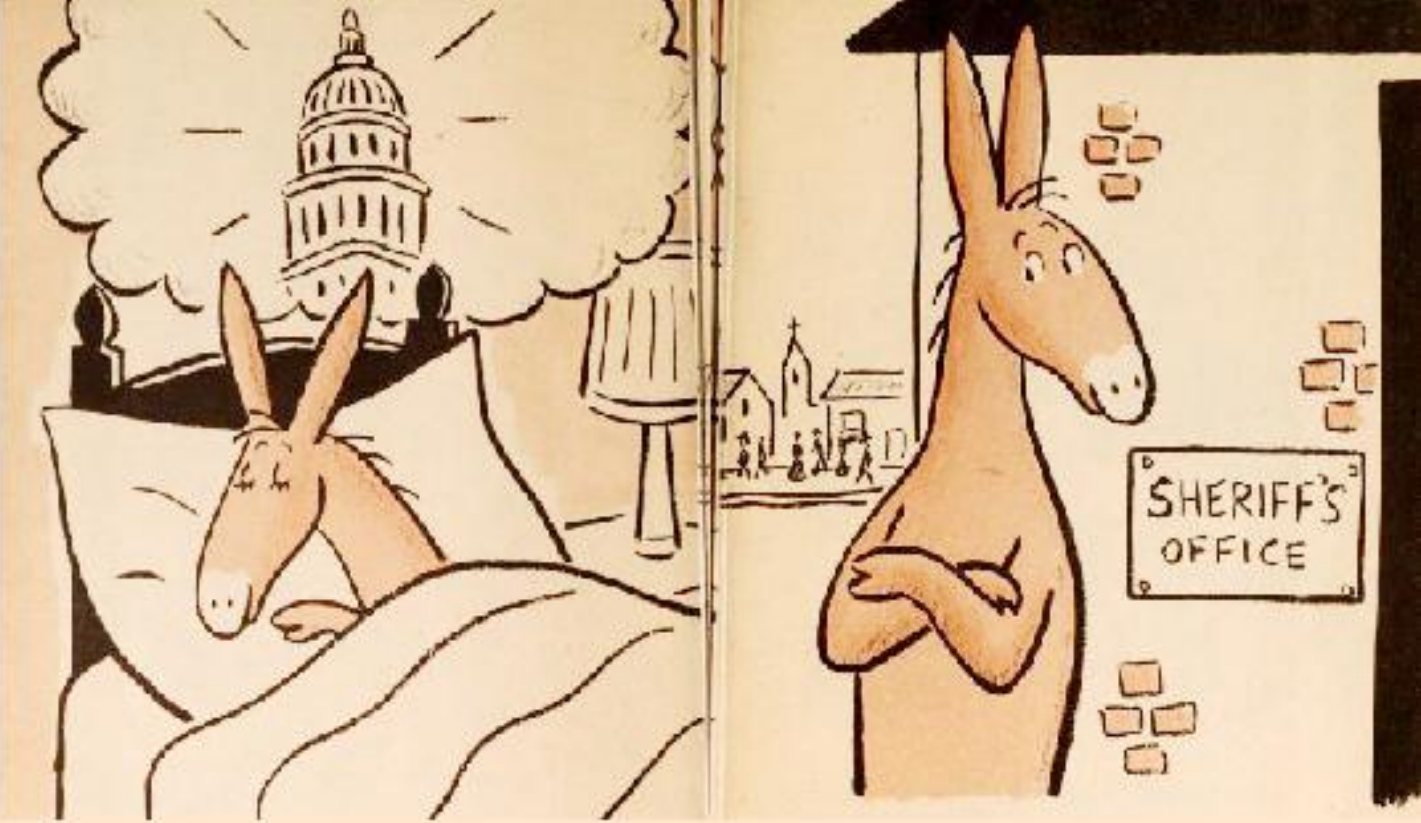

समारोह के बाद की रात, जब वो एक नरम गद्दे पर सोने गया, तो उसने सोचा कि क्या अमरीका में एक खच्चर के लिए कभी राष्ट्रपति बनना संभव होगा?

वह राष्ट्रपति तो नहीं बना, पर शहरवासियों ने उसे बहुत सम्मान दिया. उन्होंने खच्चर को शहर के चोर-उचक्कों को लात मारकर भगा देने के अधिकार दिए और उसे "शांति अधिकारी" बना दिया.

खच्चर-विला की समृद्धि ने अच्छे लोगों के साथ-साथ बुरे लोगों को भी आकर्षित किया. एक दिन खच्चर को अपने संवेदनशील कानों में गली में से कुछ आवाज़ सुनाई दी.

एक डाकू एक महिला का पर्स चुराने वाला था.

खच्चर ने डाकू से कहा, "सभ्य लोग दूसरों से चोरी नहीं करते हैं." फिर उसने डाकू को लात मार-मार कर शहर से बाहर निकाल दिया.

खच्चर ने डाकू को बहुत मारा. उससे शहर के मवेशी-चोर, लफंगे और अन्य बुरे तत्व भी शहर छोड़कर भाग खड़े हुए.

लेकिन क्या कोई खच्चर कानून और व्यवस्था लागू कर सकता था? एक रात को जब वो देर से आराम कर रहा था, तो बैंक के ताले टूटे और डाकू सब पैसा लेकर चम्पत हो गए.

अगले दिन लोगों ने रोते हुए कहा, "हमारा सारा पैसा चला गया! हमारा कंगाल हो गए!"

फिर खच्चर असलियत पता लगाने के लिए बैंक में गया.

ओ'हारा भी सच्चाई पता लगाने के लिए अपने रिटायरमेंट से बाहर आया.

"यह सच है. हम लुट गए." "हर कोई कंगाल हो गया है," टेलर ने कहा है.

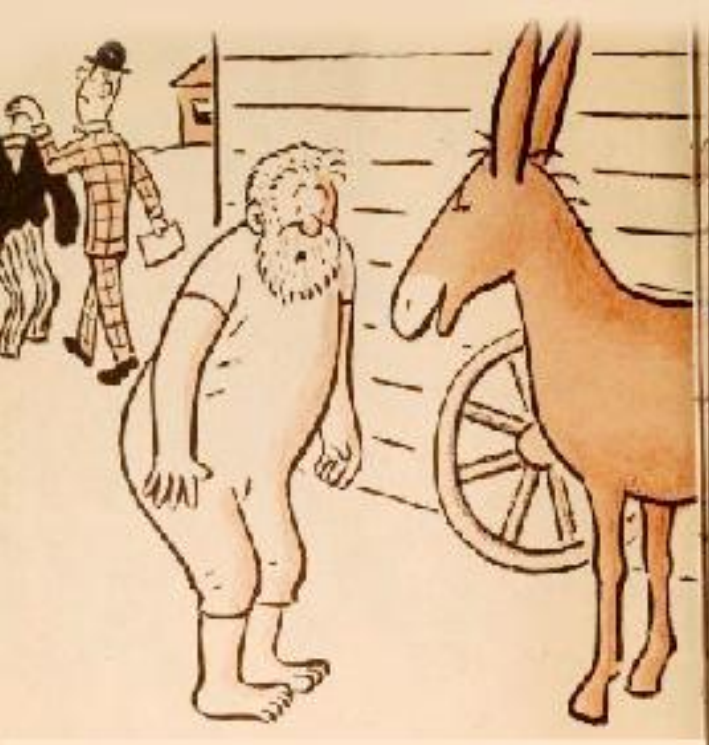

ओ'हारा को पता नहीं था कि अब उसे क्या करना है. वह अपने सिर के ऊपर खर्च कर रहा था. इसलिए अब लेनदार उसके कपड़े भी उतार कर ले गए.

लेकिन उसका खच्चर जानता था कि उसे क्या करना है.

"आओ, अब अपने पुराने कपड़े पहनो," खच्चर ने अपने मालिक से कहा. "हमें एक बार सोना मिला था; शायद हम दुबारा भी सोना ढूंढ पाएं."

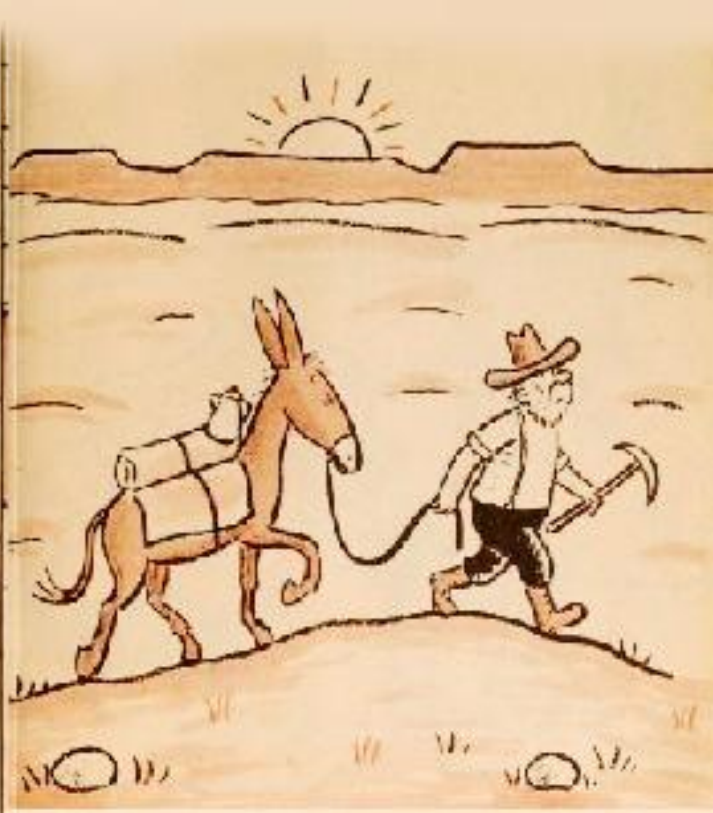

फिर दोनों जलती रेत में रेगिस्तान में वापस गए.

हरदिन वे ऊपर-नीचे देखते और सोना खोजते.

फिर एक दिन ओ'हारा के पैर और पीठ में बहुत ज़ोर का दर्द हुआ और उसने सोना खोजना छोड़ दिया. एक बार फिर से खच्चर ने अकेले सोना खोजने की सोची.

उनका मानना था कि अगर वो अपने पिछले पैरों को चट्टानों से मारता रहेगा तो उसे ज़रूर एक दिन सोना मिलगा जो उसे फिर से अमीर बना देगा.

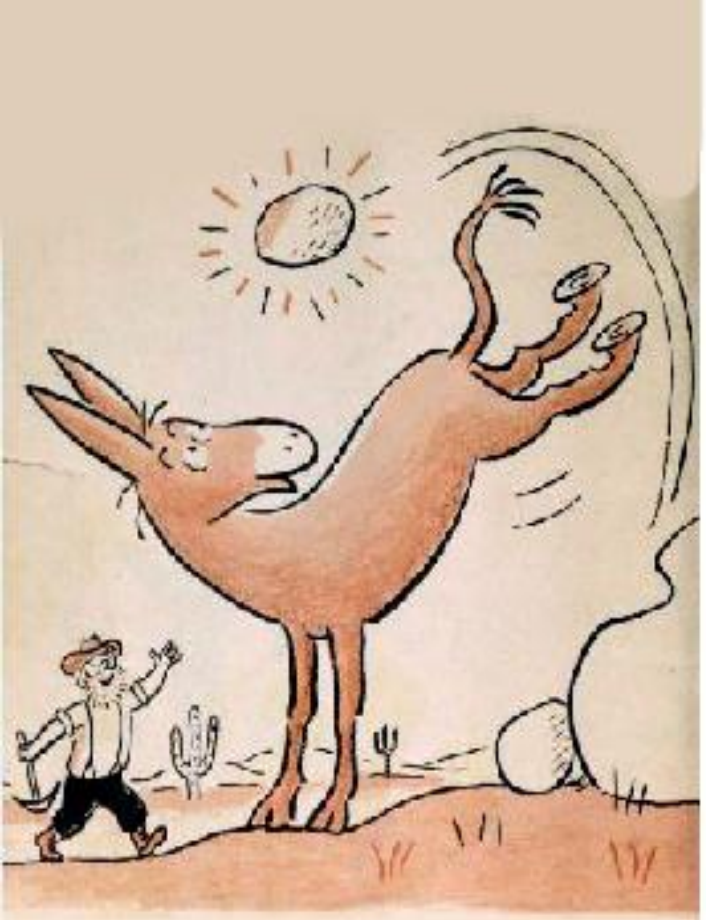

वह गलत नहीं था.

समाप्त